#### 

**D-6209** 

Time :  $2^{1}/_{2}$  hours] PAPER-III [Maximum Marks : 200

### COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Number of Pages in this Booklet: 40

### **Instructions for the Candidates**

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

#### No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।

Test Booklet No.

 लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

### इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

D-6209 P.T.O.

# COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

**Note:** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

# SECTION – I खंड – I

**Note:** This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । (5 × 5 = 25 अंक)

Read the following passage and give answers of Question Nos. 1 to 5 given below in 30 words.

We are living in an age of dialogue. Society has grown religiously and ideologically more pluralistic than ever before. The scientific and technological progress and particularly the advanced means of communication and transportation have not only brought men closer together, but also have provided constant opportunities of frequent meeting and interchange. In such a situation, man cannot live in geographical, cultural and religious isolation. Man needs man, today he realizes the inevitable need of interdependence and interrelatedness more strongly than before, and, in fact, there is frequent intermingling and interaction among people of different cultures and nationalities. The growing pressure of multi-religions and multiideological society, awareness of cultural interdependence and interrelatedness and demand for understanding and peaceful co-living, have created an inevitable dialogical situation. Now people of different faiths and ideologies have started talking to each other more openly. Inter-religious dialogue is gaining momentum. The phenomenon that we call inter-religious dialogue is not something entirely new in the religious history of mankind. We can trace its beginning to the period when society began to grow into multi-religious communities. The pluralistic structure of society has been prevailing since long past as man apparently has never preferred to live in cultural and religious isolation. In other words, there have been cultural and religious encounters since olden times. Dialogue or religious conversation reflects one of the common and indispensable forms of interaction in the religiously pluralistic society. Though the term 'dialogue' may not have been used in the sense in which we use today, we cannot deny the presence of the fact of dialogue in the past.

निम्नांकित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए । हम सम्वाद के युग में जी रहे हैं । समाज धार्मिक और सैद्धान्तिक तौर पर पहिले से अधिक बहुवादी रूप में उभरा है । वैज्ञानिक और तकनीिक उन्नित खासकर संचार और आवागमन के आधृनिक संसाधन न केवल मनुष्यों को एक दूसरे के नजदीक लाये हैं बल्कि उनको आपस में लगातार मेलजोल और विचारों के आदान-प्रदान के लिए अनेक अवसर भी प्रदान किए हैं । ऐसी स्थिति में मनुष्य भौगोलिक, सांस्कृतिक और धार्मिक एकान्त में नहीं जी सकता । मनुष्य को मनुष्य की आवश्यकता है । परस्पर निर्भरता और परस्पर सम्बन्ध हेत् मनुष्य आज के समय में पहिले से कहीं अधिक जरूरत महसूस करता है और वास्तव में विभिन्न संस्कृतियों और राष्ट्रीयता वाले लोगों का आपस में अधिकतर मेल-जोल और विचारों का आदान-प्रदान अधिकाधिक बढ गया है । बह-धार्मिक और सैद्धान्तिक समाज के बढ़ते हुए प्रभाव के कारण, परस्पर सांस्कृतिक निर्भरता और आपसी सम्बन्धों की चेतना के कारण तथा शान्तिपर्वक साथ-साथ रहने और आपस में एक दसरे को समझने की माँग ने परस्पर सम्वाद रचाने की अत्यन्त जरूरी स्थिति उपस्थित कर दी है । अब. अलग-अलग धार्मिक विश्वासों एवं सिद्धान्तों के लोगों ने आपस में ज्यादा खलकर बातचीत करना शरू कर दिया है । अन्तर्धार्मिक सम्वाद अब खब जोर पकड़ रहा है । जिस विधि को हम अन्तर्धार्मिक संवाद का नाम देते हैं. वह मनष्यमात्र के धार्मिक इतिहास में कोई बिल्कल नई बात नहीं है । हम इसकी शुरुआत उस काल से मान सकते हैं जब समाज बहुविध धार्मिक समुदायों के रूप में उभरा । समाज का बहुविध स्वरुप बहुत पुराने समय से चला आ रहा है । कारण कि मनुष्य ने कभी भी सांस्कृतिक और धार्मिक एकान्त में रहना पसन्द नहीं किया । दूसरे शब्दों में सांस्कृतिक और धार्मिक विचारों के आदान-प्रदान पुरातन समय से होते आ रहे हैं । बह-विध समाज में सम्वाद या धार्मिक विचार-विमर्श आदान-प्रदान के एक आम (सामान्य) और आवश्यक तरीके की ओर संकेत करता है । बेशक, सम्वाद पद का उस अर्थ में प्रयोग न किया गया हो जिसमें आज उसका प्रयोग हो रहा है परन्तु हम बिल्कुल उसको इन्कार नहीं कर सकते कि अतीत में सम्वाद की कोई मौजुदगी ही

Comment upon the conditions that are conducive for inter-faith dialogue according to

me author. लेखक के अनुसार अन्तर्धर्म संवाद के लिए उचित परिस्थितियों पर टिप्पणी दीजिए ।	

D-6209 4

नहीं थी ।

2.	Examine the significance of inter-faith dialogue in the light of above passage. उपर्युक्त गद्यांश के सन्दर्भ में अन्तर्धर्म संवाद के महत्त्व पर विश्लेषण कीजिए ।
3.	Discuss the nature of pluralistic character of society as mentioned by the author. गद्यांश के लेखक के द्वारा प्रस्तावित समाज के बहुविध स्वरूप का विवेचन कीजिए ।

4.	Elaborate the phenomenon of dialogue that was prevalent in the past as mentioned by the author of above passage. उपर्युक्त गद्यांश में लेखक के अनुसार अतीत में अन्तर्धर्म संवाद की जो प्रवृत्ति प्रचलित थी, उसकी विवेचना कीजिए।
5.	'Inter-faith dialogue has got momentum' – Examine the statement in the light of above paragraph. 'अन्तर्धर्म संवाद की प्रवृत्ति बढ़ रही है' – को उद्धृत गद्यांश के परिप्रेक्ष्य में वर्णन कीजिए ।

6

D-6209

# **SECTION - II**

# खण्ड \_ II

Note: This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30)

	W	ords. Each ques	stion carries <b>fiv</b>	ve (5) marks.		$(15 \times 5 = 75 \text{ Marks})$	s)
नोट :		खंड में <b>पाँच-पाँच</b> मेक्षित है ।	(5-5) अंकों के प	<b>iद्रह (15)</b> प्रश्न हैं	। प्रत्येक प्रश्न का उत्त	ार लगभग <b>तीस (30)</b> शब्दों में (15 × 5 = 75 अंव	5)
6.	(A) (B) (C) (D)	lain the meanir Bible Guru Granth Quran Avesta लिखित किन्हीं <b>दो</b> वे बाइबल गुरु ग्रंथ कुरान अवेस्ता		of the following	; :		

7.	Write about any approach that helps to study religion. किसी एक विधि के बारे में लिखिए जो धर्म का अध्ययन करने में सहायता करती है ।
8.	Write a note upon taboo, as a belief in primitive society. आदिवासी समाज में निषेध के विश्वास के बारे में लिखें ।

9.	Describe the basic elements of the morality as prescribed in the Bhagwadgeeta. भगवद्गीता में निहित नैतिकता के मुख्य तत्त्वों की व्याख्या कीजिए ।
10.	Write the contribution of Raja Ram Mohan Roy against Sati Pratha. सती प्रथा के विरुद्ध राजा राममोहन राय द्वारा कृत योगदान को लिखिए ।

11.	What do you know about Lord Mahāvīra ? भगवान महावीर के विषय में आप क्या जानते हैं ?
12.	What is the meaning of Aparigraha in Jainism ? जैन धर्म में अपरिग्रह का क्या अर्थ है ?

13.	When and how was the Pāli Tipiṭaka secondly compiled? Discuss.
	कब और कैसे पालि त्रिपिटक का दूसरी बार संकलन किया गया ? विवेचन कीजिए ।
14.	Write a note on the Buddhist Architecture. बौद्ध स्थापत्य कला पर एक टिप्पणी लिखिए ।

15.	Explain the spiritual significance of the prayer "Our Father" taught by Jesus. ईसा के द्वारा सिखाए गए "हे पिता हमारे" - प्रार्थना की आध्यात्मिक विशेषताओं की व्याख्या कीजिए ।
16.	Evaluate the religious principles contained in the "Sermon on the Mount" of Jesus. ईसा के "आशीर्वचन" (सरमन ऑफ मौण्ट) में निहित धार्मिक तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए ।

17.	What were the conditions in which Prophet Muhammad migrated to Medina ? पैगम्बर मुहम्मद साहब ने किन हालात में मदीने हिजरत की, लिखिये ।
18.	Write about some basic articles of faith in Islam. इस्लाम धर्म के कुछ मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए ।

19.	Explain the concept of Sangat in Sikhism. सिक्ख धर्म में, प्रतिपादित संगत की अवधारणा की विवेचना कीजिए ।
20.	Comment upon the mission of Guru Gobind Singh. गुरु गोविन्द सिंह के उद्देश्यों पर टिप्पणी कीजिए ।

### **SECTION - III**

### खंड – ।।।

Note: This section contains five (5) questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only one elective/specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. ( $5 \times 12 = 60 \text{ Marks}$ )

नोट: इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है ।  $(5 \times 12 = 60 \text{ अंक})$ 

### ELECTIVE-I वैकल्पिक-I

# HINDUISM हिन्दु धर्म

- 21. Depict the basic teachings of Sant Kabir towards the removal of the social evils. सामाजिक ब्राइयों के उन्मूलनार्थ सन्त कबीर की प्रमुख शिक्षाओं का उल्लेख कीजिए ।
- 22. Human life was divided into four parts in ancient India through "Ashram Vyavastha". Explain.

आश्रम व्यवस्था के माध्यम से प्राचीन भारत में मानवीय जीवन को चार भागों में बाँटा गया था. व्याख्या कीजिए ।

23. Explain the main theme of Upanisads.

उपनिषदों की मुख्य प्रतिपाद्य विषयवस्तु की व्याख्या कीजिए ।

24. Give an account of the Arya Samaj Movement for social reformation.

समाज सुधार के क्षेत्र में आर्य समाज आन्दोलन पर प्रकाश डालिए ।

25. Vedas are recognised "Apouruseya" and were revealed in the hearts of Risis. Discuss.

वेद संहिताएँ 'अपौरुषेय' मानी गई हैं तथा उनका ऋषियों के हृदयों में आविर्भाव हुआ, वर्णन कीजिए ।

#### OR/अथवा

### ELECTIVE-II वैकल्पिक-II

### JAINISM जैन धर्म

- 21. Discuss the concept of Liberation (Mokṣa) according to Jainism. जैन धर्म के अनुसार मोक्ष की अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।
- 22. Write short notes on the following:
  - (a) Acharya Haribhadra Suri
  - (b) Samayasāra

निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

- (अ) आचार्य हरिभद्र सूरि
- (ब) समयसार
- 23. Throw light in brief on the seven substances according to Jainism. जैन धर्म के अनुसार संक्षेप में सात तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।
- 24. Discuss the importance of four Donations as propounded in Jainism. जैन धर्म में प्रतिपादित चार दानों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
- 25. Explain in brief the concept of soul according to Jainism. जैन धर्म के अनुसार आत्मा के स्वरूप की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

### OR/अथवा

# ELECTIVE-III वैकल्पिक-III

### BUDDHISM बौद्ध धर्म

- 21. Discuss in detail the concept of Nirvāṇa in Buddhism. बौद्ध धर्म में निर्वाण की अवधारणा का संक्षेप में विवेचन कीजिए ।
- 22. Discuss the contribution of Ashoka in the development of Buddhism. बौद्ध धर्म के विकास में अशोक के अवदानों पर प्रकाश डालिए ।

- 23. Write short notes on the following:
  - (A) Buddhaghosa
  - (B) Dhammapada

निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

- (अ) बुद्धघोस
- (ब) धम्मपद
- 24. Throw light on the principles of Śunyavāda Philosophy of Buddhism. बौद्ध धर्म के शून्यवाद दर्शन के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए ।
- 25. Discuss the significance of Non-violence (Ahimsā) according to Lord Buddha. भगवान बुद्ध के अनुसार अहिंसा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

### OR/अथवा

### ELECTIVE-IV वैकल्पिक-IV

## CHRISTIANITY ईसाई धर्म

- 22. Describe the theological implications of the incarnation of Jesus Christ. ईसामसीह के मानव अवतार सम्बन्धी ब्रह्मशास्त्रीय दृष्टिकोण का विश्लेषण दीजिए ।
- 23. Discuss the Seven Sacraments of Christianity. ईसाई धर्म के सात पवित्र संस्कारों की व्याख्या कीजिए ।
- 24. Explain the doctrine of Trinity of Christianity. ईसाई धर्म के त्रित्व सिद्धान्त की व्याख्या दीजिए ।
- 25. "Love God", "Love your neighbour" These are the most important Commandments of Christianity. Explain.
  - "ईश्वरप्रेम" और "भ्रातृप्रेम" ये ईसाई धर्म की सबसे प्रमुख आज्ञायें हैं व्याख्या कीजिए ।

#### OR/अथवा

### ELECTIVE-V वैकल्पिक-V

#### **ISLAM**

### इस्लाम

- 21. Write about the characteristics of the revolution brought by Islam to the socio-religious life of Arabia by the close of Prophet Muhammad's life.
  - पैगम्बर मुहम्मद साहब के देहान्त तक इस्लाम के द्वारा अरब में लाई गई धार्मिक तथा सामाजिक क्रांति की विशेषताएँ लिखिए ।
- 22. Discuss the causes of the widespread conquests by the Arab Muslims in the early history of Islam.

इस्लामिक इतिहास के आरम्भ में अरबों द्वारा महान विजयों के कारणों की विवेचना कीजिए ।

- 23. Describe the causes of the downfall of Umayyad Dynasty. उमवी शासन के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिए ।
- 24. What are the reasons to call the period of Early Abassid dynasty as the 'Golden Period' of the Classical Islamic Civilization?

आरम्भिक अब्बासी राज्य के समय को क्लासिकल इस्लामिक सभ्यता का 'स्वर्णकाल' कहने के कारण बताइये ।

25. Discuss the emergence of Sufism in Islam and some of its achievements. इस्लाम में सूफी मत के उभरने और इसके कुछ निष्पादनों का विवेचन कीजिए ।

### OR/अथवा

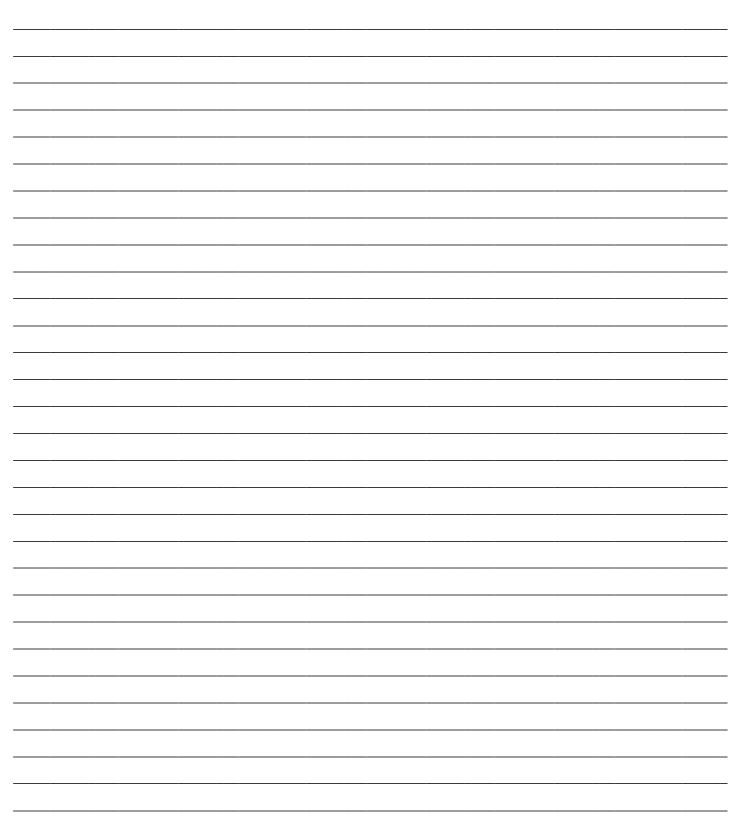
### ELECTIVE-VI वैकल्पिक-VI

### SIKHISM सिक्ख धर्म

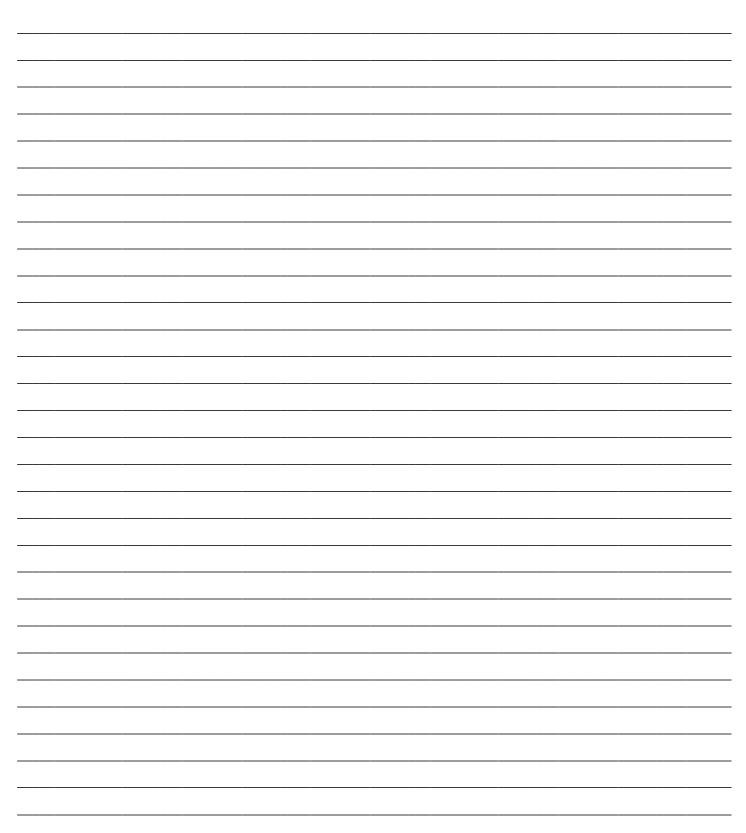
- 21. In which social conditions Guru Nanak started his religious mission? गुरु नानक ने किन सामाजिक परिस्थितियों में अपना मिशन प्रारंभ किया था?
- 22. Describe the development of Langar under the Guru period. गुरु काल में लंगर की संस्था के विकास का विवरण दीजिए ।
- 23. What do you know about the contributors of Guru Granth Sahib? आप गुरु ग्रंथ साहिब के रचनाकारों के बारे में क्या जानते हैं ?

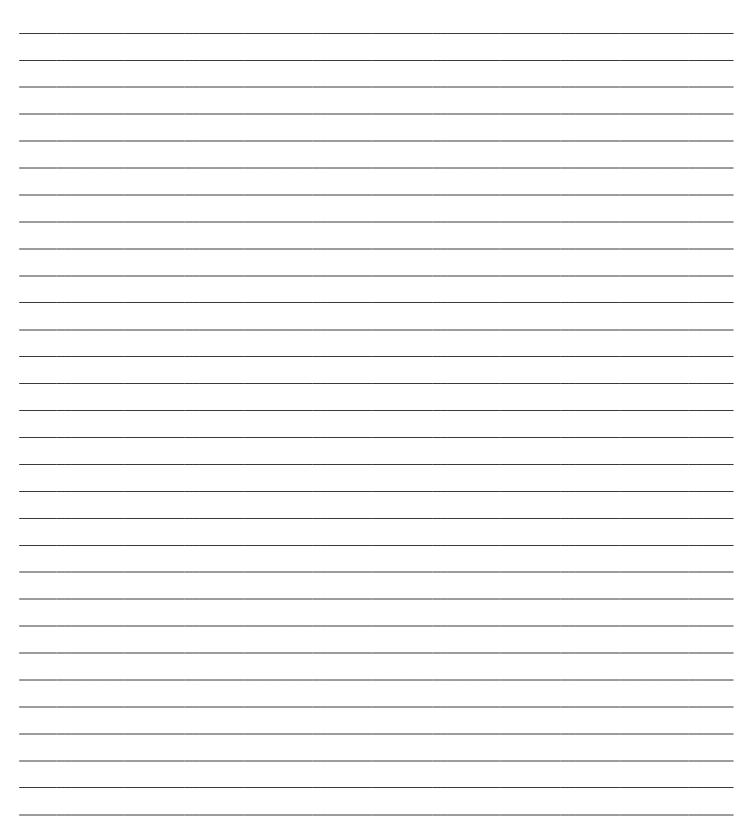
	Sikh Panth. गुरु अर्जन देव की शहीदी का सिक्ख पंथ के विकास पर पड़े प्रभाव की व्याख्या कीजिए ।
25.	Describe about the major causes of the origin of Namdhari Movement. नामधारी लहर की उत्पत्ति के प्रमुख कारणों का विवरण दीजिए ।

24. Explain the impact of the martyrdom of Guru Arjan Dev on the development of the

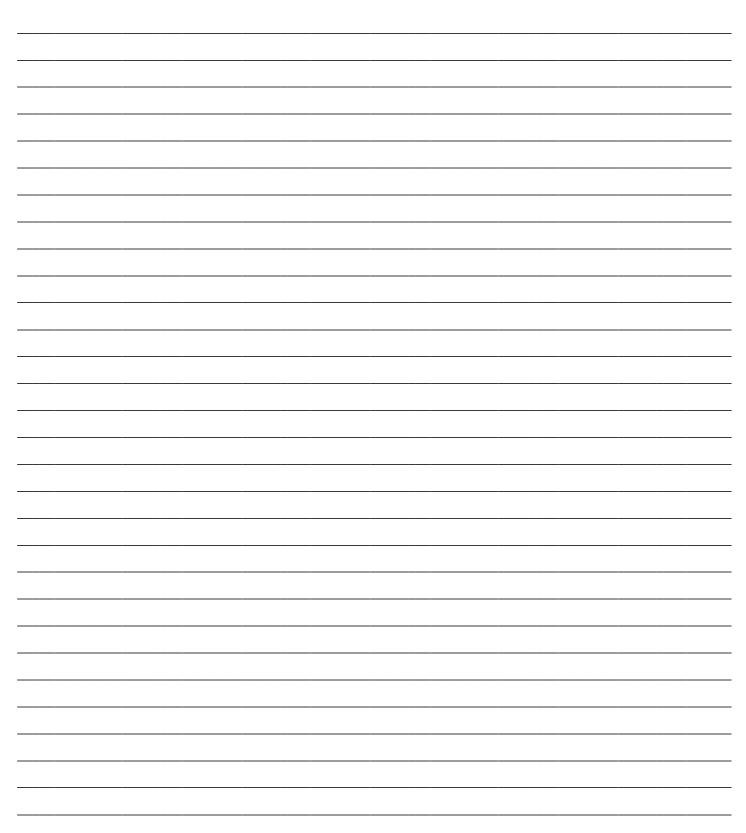








 <del></del>	



### SECTION - IV खंड - IV

**Note:** This section consists of **one** essay type question of **forty** (40) marks to be answered in about **one thousand** (1000) words on any **one** of the following topics.

 $(1 \times 40 = 40 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है । (1 × 40 = 40 अंक)

26. Discuss the Vedic Varna Vyavasthā as social system in the Vedic period.

वैदिक काल में 'वर्ण व्यवस्था' एक सामाजिक व्यवस्था थी, वर्णन कीजिए ।

#### OR/अथवा

Discuss the contribution of Jainācharyas to Indian culture.

भारतीय संस्कृति को जैनाचार्यों के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

### OR/अथवा

Write an essay on the Eight-fold Path as taught by Lord Buddha. महात्मा बुद्ध द्वारा उपदिष्ट अष्टांगिक मार्ग पर निबन्ध लिखिए ।

### OR/अथवा

Write an essay on the spiritual-religious message of Jesus as depicted in the four Gospels.

चारों सुसमाचारों में वर्णित ईसा द्वारा सिखाए गए आध्यात्मिक और धार्मिक सन्देशों के बारे में एक निबन्ध लिखिए ।

### OR/अथवा

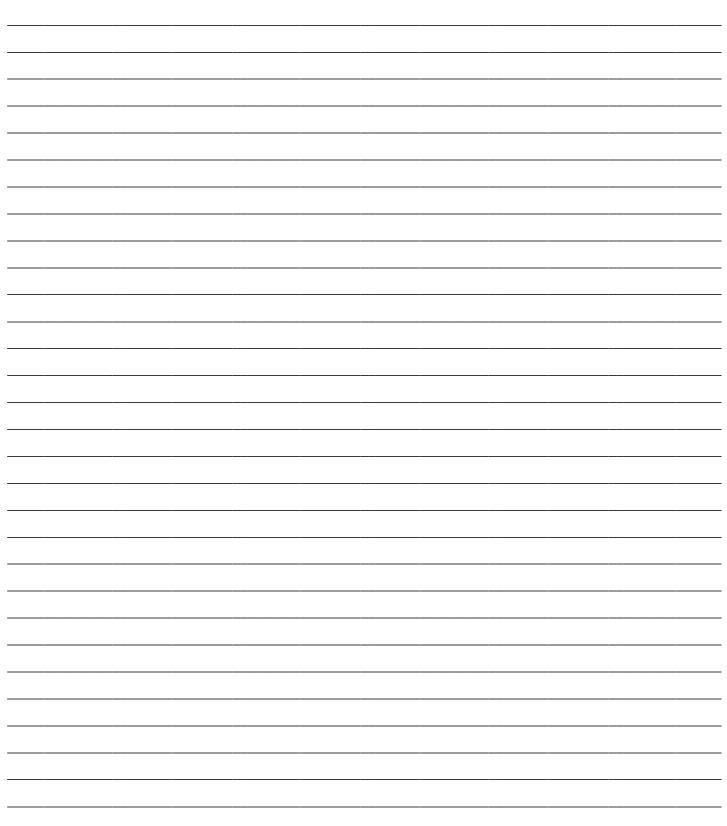
Write an essay about the Indian Ocean Trade monopoly of the Muslims before the navigational explorations of Vasco da Gama.

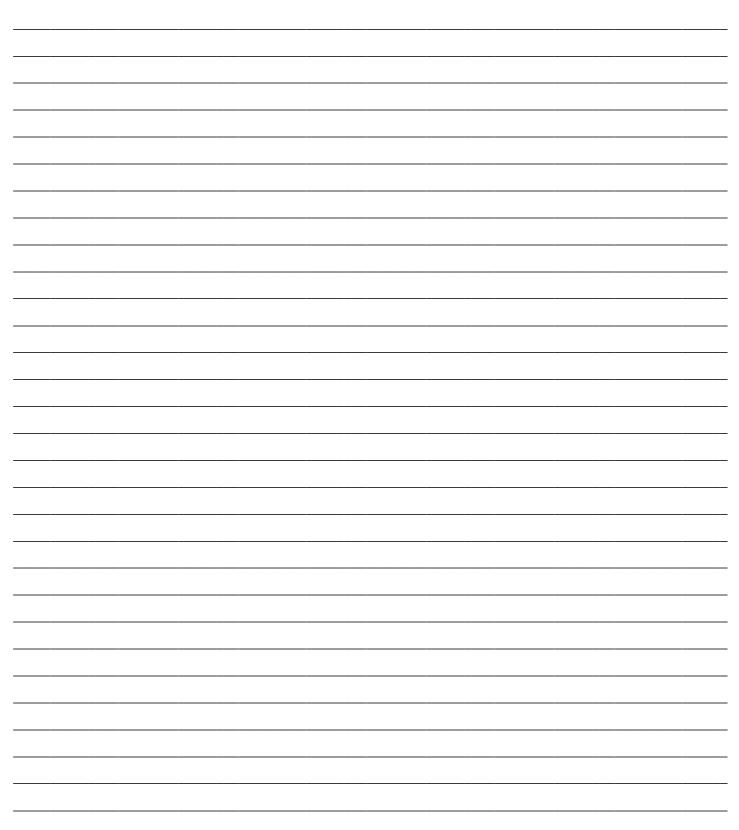
वास्को डि गामा द्वारा जहाजरानी की खोजों से पूर्व भारतीय महासागर में मुसलमानों की एकाधिकारी तिजारत के सम्बन्ध में एक लेख लिखिए ।

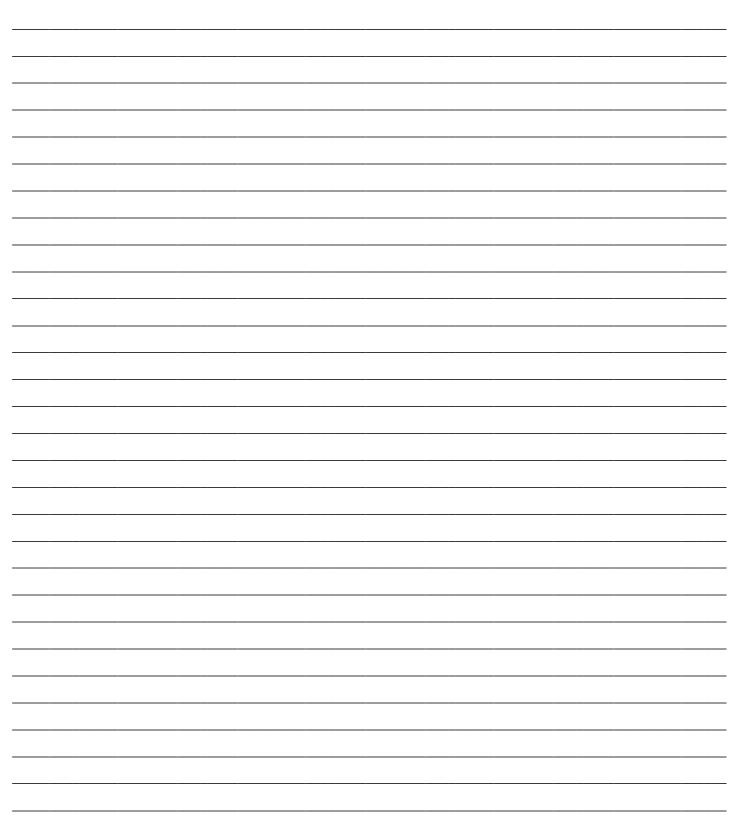
#### OR/अथवा

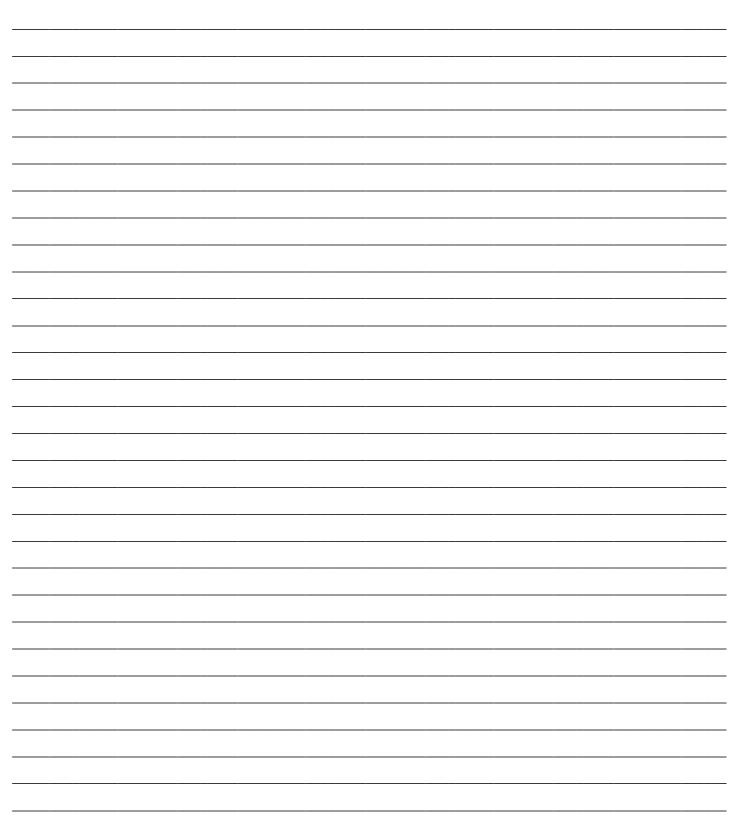
Explain the concept of Guru in Sikhism.

सिक्ख धर्म में गुरु की अवधारणा की व्याख्या करें।

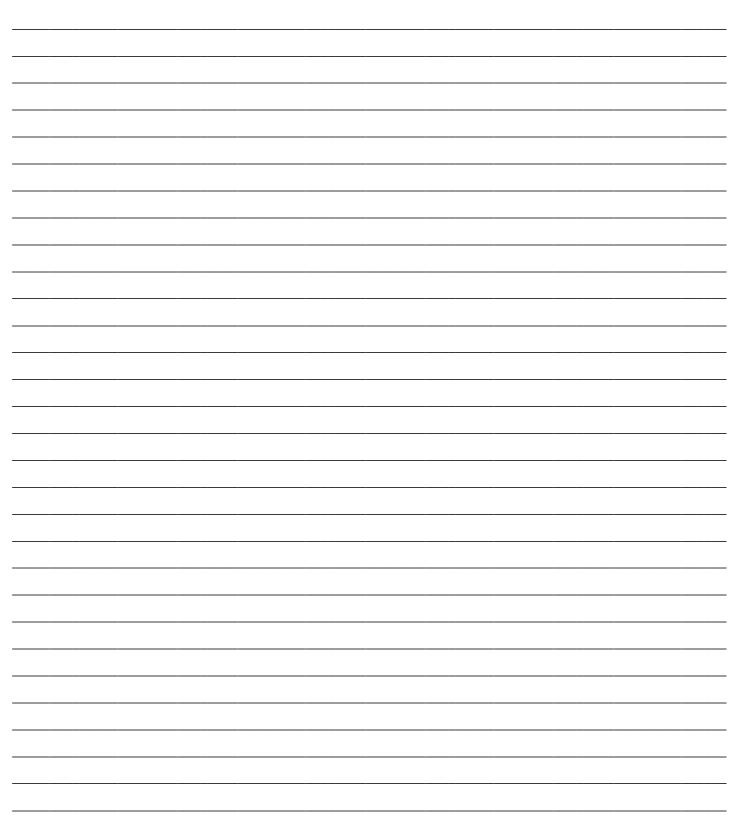








 <del></del>	



FOR OFFICE USE ONLY		
Marks	Obtained	
Question	Marks	
Number	Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		

Total Marks Obtained (in wo	ords)
(in fig	gures)
Signature & Name of the Co	ordinator
(Evaluation)	Date